File - 1 :

बी. ए. II (2017 -18, 18 -19, 19 -20)

हिंदी - ऐच्छिक (पेपर - V) सत्र - III

काव्यरत्न (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता) -V

Course Code -U - HIN- 308

Q1.1.1 -

बी.ए.द्वितीय वर्ष के तृतीय आयन के अंतर्गत हिंदी ऐच्छिक पेपर पाँचवे काव्यरत्न के अंतर्गत कबीर के दोहे, सुरदास का बाललीला वर्णन एंव भ्रमरगीतसार, तुलसीदास का केवट प्रसंग, मीरा के पद, जायसी का नागमाती वियोगखंड , बिहारी और रहीम के दोहे तथा भूषण के पद रखे गये है । इस पाठ्यक्रम के माध्यम से मध्यमकालीन कवियों का परिचय एवं उनके नीति तथा उपदेशपरक दोहों को रखा गया। आदर्श समाजव्यवस्था की स्थापना के लिए आनेवाली पीढी भक्ति का महत्व हो इसीलिए प्रस्तुत उपदेशों के माध्यमसे संस्कारों से परिमर्जित हो इसीलिए प्रस्तूत पाठ्यक्रम निश्चित करने का प्रयास किया गया ।

ज्ञानात्मक उद्देश्य (Learing Objectives)

व्यक्ति के व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण पहलू में उसका आचरण आता है। यह आचरण उसकी सोच और उसपर पडे हुए संस्कारो पर निर्भर करता है । आदर्श व्यक्ति व्यक्तित्व के लिए पारिवारीक और सामाजिक परिवेश के साथ-साथ विभिन्न संतों के विचारों का भी उतना ही योगदान होता है । इसी उद्देश्य को सामने रखकर छात्रेां को मध्ययुगीन संतो और कवियों के विचारो से उन्हे संस्कारित किया जाय, उन्हे नैतिकता और भक्ति का सही महत्व बताया जाय, कबीर, तुलसीदास, रहीम, भूषण, जायसी जैसे कवियों के साहित्य और उनकी प्रासंगिकता स्पष्ट की जाय, इन्हीं उद्देश्यों को सामने रखकर पस्तुत पाठ्यक्रम निश्चित किया गया है ।

पाठयक्रम की उपलब्धि (Course Outcome)

प्रस्तूत पाठ्यक्रम के अध्ययन करने से विद्यार्थ्यी मध्यमयुगीन कवियों के विचारों से प्रभावित होकर उनके विचार आज भी कितने प्रासंगिक है इसका उन्हें ज्ञान हुआ । इन्हीं विचारों से प्रभावित होकर उन्हें इसका भी परिचय हूआ कि सामाजिक संस्कारों के लिए संतो के विचारों का कितना बडा योगदान है । इसलिए वे और भी अनेक संतों के विचारों को पढने की ओर उन्मुख हुए । मनुष्य के सर्वांगिण विकास के लिए भौतिक सुख-सुविधा के साथ-साथ व्यक्ति का आरचण, संस्कार और सात्विक भक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है इसका अहसास विद्यार्थीयों को हुआ ।

2017-18

बी.ए. द्वितीय वर्ष सत्र प्रथम

Topicwise distribution of Syllabus

Sub :- हिंदी ऐच्छिक (Optional)

Paper No. V :

Title of the Paper : काव्यरत्न (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता)

Unit 1: 1) आदिकाल की पृष्ठभूमि

2)भक्तिकाल का प्रवृत्तिगत अध्ययन

Unit 2: कबीर के दोहे

1) सूरदास के पद

Unit 3: तुलसीदास की चौपाइयाँ

1) रीतिकाल का प्रवृत्तिगत अध्ययन

Unit 4: जायसी

Unit 5: बिहारी

Unit 6: रहीम

1) भूषण

बी. ए. द्वितीय (ऐच्छिक) - VI

वर्ष -2017-18

निबंध तरंग

Coursc code - U HIN - 309

Cearing Objictive :-

वर्ष 2017-18 में द्वितीय वर्ष का अभ्यासक्रम बदल दिया है । अत: इस आभ्यासक्रम के अन्तर्गत निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र हमने रखे है । 'भय' जैसा निबंध मनुष्य के मन के विकार को बताता है । किन्तु धर्मथिरुता की प्रशंसा इस समाज में क्यो होती है । यह महत्वपूर्ण बात है । 'साल का नया दिन' जैसा निबंध हर्ष, उल्हास, उत्साह की भावना को जागृत करता है । 'लेसर-रोगियो की जीवनदान' जैसा निबंध वैज्ञानिक निबंध है, जिसमें लेझर इस उपकरण के फायदों को बताया गया है । 'मेरे पिताजी' यह संस्मरण पिता के व्यक्तिमत्व को बताता है । सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे राष्ट्रिय चरित्रों को हमने अभ्यासक्रम में रखने का प्रयास किया है । जिसके माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलनो को समझकर उनमें राष्ट्रीय भावना जागृत हो जाय । विविध प्रकार के निबंध रचनाओं द्वारा निबंधो के स्वरुप, उद्‌भव के साथ वैचारीक भावात्मक, वैज्ञानिक निबंध रखने का प्रयास किया गया है । डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन की घटना 'बडौदा का अनूभव' जैसे यात्रावृतांत भी रखे गये है। जिससे छात्रों को डॉ. आंबेडकरजीके व्यक्तित्व तथा उनके जीवन की घटना की उन्हें जानकारी मिलती है ।

Cearing Outcome :-

बी.ए.द्वितीय वर्ष का छात्र को रामचंद्र शुक्ल, सिमाशरण गुप्त, जैसे प्रसिद्ध निबंधकारों की जानकारी प्राप्त होती है । वैज्ञानिक निबंध यह अभ्यासक्रम का नयापन है । डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे राष्ट्रीय चरित्रों को पढ़ने का सुअवसर अभ्यासक्रम द्वारा प्राप्त हो रहा है ।

2017-18

बी.ए. द्वितीय वर्ष सत्र प्रथम

Topicwise distribution of Syllabus

Sub :- हिंदी ऐच्छिक (Optional)

Paper No. VI :

Title of the Paper : निबंध तरंग

Unit 1:

1) निबंध की परिभाषा
2) निबंध का स्वरुप

Unit 2:

1) साल का नया दिन - सियारामशरण गुप्त
2) भय-रामचंद्र शुक्ल

Unit 3:

1) लेसर रोगियों को जीवनदान-दीक्षा विपट
2) होना कुछ नही का -शरद जोशी

Unit 4:

1) मेरे पिताजी - कन्हैयालाल मिश्र- (संस्मरण)

Unit 5:

1) बडौंदा का अनुभव - डॉ.बाबासाहब आंबेडकर

Unit 6:

1) अजेय लोहपुरुष : सरदार वल्लभभाई पटेल-सत्यकाम विद्यालंकार

B.A. II (2017 -18, 18 -19, 19 -20)

हिंदी - ऐच्छिक (पेपर - VII) सत्र - IV

काव्यरत्न (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता) -VII

Course Code -U - HIN- 408

QIM.1.1.1 -

बी.ए.द्वितीय वर्ष के चतुर्थ आयन में हिंदी ऐच्छिक पेपर सातवें काव्यरत्न के अंतर्गत आधूनिक हिंदी काव्ययुग की प्रवृत्तियों के साथ-साथ प्रतिनिधी कविताएँ भी निश्चित की गई है । जिसमे आयोध्यासिंह उपाध्याय हरीऔध की 'चौपदे', 'तोडती पत्थर', 'ताज', 'नदी के द्वीप', 'बीमारी में बेटे के साथ', 'मारे जायेंगे', आदि काव्यरचनाएँ पाठ्यक्रम के लिए निश्चित की गई है । जिसके माध्यम से उस युग समाजिक परिवेश को समझने का प्रयास किया गया ।

ज्ञानात्मक उद्देश्य (Learing Objective):-

प्रस्तुत पाठ्यक्रम मे भारतेदुं युग, द्विवेदीयुग, छायावाद युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदी काव्य के पड़ावो को काव्य प्रवृत्तियों के आकलन के उद्देश्य से इन युगोंको रखा गया । ताकि विद्यार्थियों को हिंदी काव्य इतिहास का ज्ञान हो, वैश्विक विभिन्न घटनाएँ और संकल्पनाओं का प्रभाव हिंदी काव्य पर कैसे पडा है । यह समझने हेतू इन यूगोंको निश्चित किया गया । व्यक्ति का सामजिक अवधारणा में व्यक्तित्व, मानसविवाद का हिंदी कविताओं पर रहा प्रभाव, माँ के प्रति बेटे की संवेदना, व्यवस्था को बदलने के बजाय व्यवस्था स्वीकार कर लेने मजबूरी आदी विषयों को जानने के उद्देश्य से प्रस्तुत कविताएँ निश्चित की गई ।

पाठ्यक्रम उपलब्धि (Course Outcomes) :-

पस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से आधुनिक काव्य इतिहास की प्रवृत्तियों का ज्ञान विद्यार्थियों को मिला । 'तोडती पत्थर' के माध्यम से पुँजीवादी का विरोध करती कर्मरत महिला, सामाजिकता में वैयक्तिकता का महत्व, 'मारे जायेंगे' में व्यक्त व्यवस्था को स्वीकार करने की मजबूरी आदी विभिन्न कालगत और समसामाजिक विषयों की जानकारी से छात्र अवगत हुए ।

Paper No. VII :

Title of the Paper : काव्यरत्न (मध्ययुगीन तथा आधुनिक कविता)

द्वितीय सत्र

Unit 1:

1) भारतेंदु युग की पृष्ठभूमि
2) द्विवेदीयुगीन प्रवृत्तियाँ

Unit 2:

1) कसौटी (चौपदे)-अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔंध

Unit 3:

1) छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ
2) तोड़ती पत्थर-सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Unit 4:

1) प्रगतीवाद युग की प्रवृत्तियाँ
2) ताज-सुमित्रानंदन पंत

Unit 5:

1) प्रयोगवाद युग की प्रवृत्तियाँ
2) नदी के द्वीप अज्ञेय

Unit 6:

1) बीमारी में बेटे के साथ (एक और दो)- कात्यायनी
2) मारे जायेंगे -राजेश जोशी

बी. ए. द्वितीय (ऐच्छिक) - VIII

वर्ष -2017-18

निबंध तरंग

Coursc code - U HIN - 409

1) Cearing Objictive :-

वर्ष 2017-18 में द्वितीय वर्ष का द्वितीय सत्र का आभ्यासक्रम भी बदल जाता है । जिसके अंतर्गत निबंध , रेखाचित्र रखे गए है । 'शिक्षा उद्देश्य' जैसा निबंध शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान परिस्थिती को बताता है । वर्तमानकाल की शिक्षा नाम मात्र बनकर रह गई है । केवल अंकप्राप्ती यह विद्यार्थी का उद्देश्य नहीं होना चाहिए चरित्र का मानदण्ड यह निबंध चरित्र संपन्नता के लिए हमने पाठ्यक्रम में रखा है । डॉ बाबा आमटे जैसे व्यक्तियों को हमने पाठ्यक्रम में रखा है । जिनका सामाजिक योगदान असामान्य है । बाबा आमटे जैसे व्यक्तियों को पढकर छात्रों में समाज के लिए सेवा की भावना जागृत हो जाए । कमलेश्वर जैसे बहूआयामी प्रतिभासंपन्न व्यक्तित्व की जानकारी राजेंन्द्र यादव के पाठ द्वारा मिलती है । एक लेखक इस रुप में कमलेश्वर के व्यक्तित्व को बताया है ।

2) Cearing Outcome :-

छात्रों को महादेवी वर्मा ऐसे निबंधकारों से अवगत करना तथा बाबा आमटे जैसे चरित्रों को जानने का अवसर छात्रों को दिया है । इस अभ्यासक्रम द्वारा विद्यार्थी को शिक्षा के मुल्य, चरित्र का महत्व बताया गया है ।

Paper No. VIII :

Title of the Paper : निबंध तरंग

द्वितीय सत्र

Unit 1:

1) निबंध के प्रकार

Unit 2:

1) शिक्षा उद्देश्य -महादेवी वर्मा
2) चरित्र का मानदण्ड-वासुदेव शरण अग्रवाल

Unit 3:

1) पहला सफेद बाल-हरिशंकर परसाई
2) भारतेंदु और पुश्किन-राहुल सांकृत्यायन

Unit 4:

1) बाबा आमटे-वसंत पोद्दार

Unit 5:

1) मेरा हमदम मेरा दोस्त कमलेश्वर -राजेंद्र यादव

Unit 6:

1) लेखकों का कार्य शिबीर-रामधारी सिंह दिनकर-वृत्तांत